❁ 29 सितम्बर 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❁

✺ ज्ञान-

1] हम भी शूद्र से ब्राह्मण बनें तो नाम बदलना ही चाहिए। नाम तो तुम्हारे रखे थे। परन्तु उसमें भी अभी देखो तो कई हैं ही नहीं इसलिए ब्राह्मणों की माला नहीं होती। भक्त माला और रूद्र माला गाई हुई है। ब्राह्मणों की माला नहीं होती। विष्णु की माला तो चली आई है। पहले नम्बर में माला का दाना कौन है? कहेंगे युगल इसलिए सूक्ष्मवतन में भी युगल दिखाया है। विष्णु भी 4 भुजा वाला दिखाया है। दो भुजा लक्ष्मी की, दो भुजा नारायण की।

2] कोई कहते हैं परमात्मा का नाम-रूप नहीं है। यह तो हो ही नहीं सकता। उनको पुकारते हैं, महिमा गाते हैं, तो जरूर कोई चीज़ है ना। तमोप्रधान होने कारण कुछ भी समझते नहीं। बाप समझाते हैं–मीठे-मीठे बच्चों, इतनी 84 लाख योनियां तो कोई होती नहीं। हैं ही 84 जन्म। पुनर्जन्म भी सबका होगा। ऐसे थोड़ेही ब्रह्म में जाकर लीन होंगे वा मोक्ष को पायेंगे। यह तो बना-बनाया ड्रामा है। एक भी कम-जास्ती नहीं हो सकता।

3] तुम बच्चे जानते हो पहले नम्बर में सबसे प्यारा है बाप फिर नेक्स्ट प्यारा है श्रीकृष्ण। तुम जानते हो श्रीकृष्ण है स्वर्ग का पहला प्रिन्स, नम्बरवन। वही फिर 84 जन्म लेते हैं। उसके ही अन्तिम जन्म में मैं प्रवेश करता हूँ।

4] किसी के पास अगर सिर्फ स्थूल सम्पत्ति है तो भी सदा सन्तुष्ट नहीं रह सकते। स्थूल सम्पत्ति के साथ अगर सर्व गुणों की सम्पत्ति, सर्व शक्तियों की सम्पत्ति और ज्ञान की श्रेष्ठ सम्पत्ति नहीं है तो सन्तुष्टता सदा नहीं रह सकती। आप सबके पास तो यह सब श्रेष्ठ सम्पत्तियाँ हैं। दुनिया वाले सिर्फ स्थूल सम्पत्ति वाले को सम्पत्तिवान समझते हैं लेकिन वरदाता बाप द्वारा आप बच्चों को सर्व श्रेष्ठ सम्पत्तिवान भव का वरदान मिला हुआ है।

✺ योग-

1] बाबा मत देते हैं कि रूहानी बाप को याद करो तो पाप भस्म हो जाएं, जिसको योग अग्नि कहते हैं।

2] मैं योगबल से तुम आत्माओं को शुद्ध बनाता हूँ फिर भी तुम विकार में जाकर अपना श्रृंगार ही गँवा देते हो। बाप आते हैं सबको शुद्ध बनाने।

3] बाप कहते हैं माकेकम् याद करो तो पावन बन जायेंगे।

✺ धारणा-

1] यहाँ बाप खुद बैठ पढ़ाते हैं। वह फादर भी है, टीचर भी है। यह एक ही प्वाइंट अच्छी रीति धारण करो, भूलो मत।

2] बच्चे बने हो तो फिर पढ़ाई भी पढ़नी है। बस, फिर और कोई धन्धे आदि का ख्याल भी नही आना चाहिए। परन्तु गृहस्थ व्यवहार में रहते धन्धा आदि भी करते वाले हैं तो बाप कहते हैं कमल फूल समान रहो।

3] सच्ची साधना द्वारा हाय-हाय को वाह-वाह में परिवर्तन करो।

✺ सेवा-

1] मीठे बच्चे– बाप कल्प-कल्प आकर तुम बच्चों को अपना परिचय देते हैं, तुम्हें भी सबको बाप का यथार्थ परिचय देना है।